भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
**Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

**Press Release**

# आईआईटी भुवनेश्वर एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत युवा-संगम चरण V एक्सपोज़र यात्रा की शुरुआत के लिए तैयार है

**भुवनेश्वर, 26 नवंबर 2024:** आईआईटी भुवनेश्वर युवा संगम के पांचवें चरण, एक एक्सपोज़र टूर और ओडिशा और महाराष्ट्र के बीच एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी कर रहा है। 27 नवंबर, 2024 से ओडिशा के 50 युवा आईआईएम मुंबई की मेजबानी में महाराष्ट्र की सांस्कृतिक यात्रा पर निकलेंगे। इसके साथ ही, महाराष्ट्र के 50 युवा आईआईटी भुवनेश्वर की मेजबानी में ओडिशा का दौरा करेंगे। यह एक्सचेंज 5 दिसंबर 2024 तक चलेगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और समझ को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है। शिक्षा मंत्रालय के दिमाग की उपज, एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत युवा संगम 'युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करना है, खासकर विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच और उन्हें भारत की संस्कृति और मूल्यों से परिचित कराना है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विचार की संकल्पना और संरचना माननीय प्रधान मंत्री श्री द्वारा की गई थी। नरेंद्र मोदी जी भारत के विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव बनाएंगे। इसका उद्देश्य उन युवाओं को उजागर करना भी है जो न केवल अपार प्रतिभा, वैश्विक ज्ञान, रचनात्मकता और नवीनता की भावना को अपनाते हैं बल्कि देश के मानवीय दर्शन को प्रतिबिंबित करने वाले सांस्कृतिक मूल्यों को भी फिर से अपनाते हैं।

युवा संगम के पिछले चरणों में भारी उत्साह देखा गया और अंतिम चरण में पंजीकरण 44,000 को पार कर गया। अब तक, पूरे भारत में 4,795 युवाओं ने युवा संगम के विभिन्न चरणों (2022 में पायलट चरण सहित) में 114 दौरों में भाग लिया है।

अपनी सप्ताह भर की यात्रा के दौरान, अतिथि छात्रों को अपने मेजबान राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का पता लगाने का अवसर मिलेगा। वे प्रतिष्ठित स्थलों का दौरा करेंगे, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेंगे और स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करेंगे। प्रतिभागी पारंपरिक नृत्य और संगीत प्रदर्शन, भाषा कार्यशालाएं और विरासत पर्यटन सहित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होंगे। आईआईटी भुवनेश्वर युवा संगम के इस चरण को सभी प्रतिभागियों के लिए एक यादगार अनुभव बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यक्रम आपसी सम्मान, समझ और दोस्ती को बढ़ावा देगा, जो एकजुट और समृद्ध भारत के समग्र लक्ष्य में योगदान देगा।

आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने कहा, “हमें आईआईटी भुवनेश्वर परिसर में महाराष्ट्र के प्रतिनिधियों की मेजबानी करने और इस एक्सपोजर टूर पर ओडिशा के छात्रों को महाराष्ट्र भेजने की इस पहल का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। यह पहल छात्रों को सांस्कृतिक आदान-

प्रदान, भारत की विविध परंपराओं के संरक्षण और प्रचार में शामिल होने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करती है। एकता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देकर, यह आयोजन एक महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ेगा, जिससे छात्रों को ओडिशा की सांस्कृतिक समृद्धि का अनुभव करने और उसकी सराहना करने में मदद मिलेगी।

---